अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के 28वें सत्र की कार्यकारी मंडल की द्वितीय विशेष बैठक कार्यवाही वृतान्त

॥श्री॥

महामंत्री कार्यालय, जोधपुर
बसंत पंचमी विक्रम सम्वत् 2074
तद्नुसार दिनांक 22 जनवरी 2018 को जारी

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के 28वें सत्र की कार्यकारी मंडल की द्वितीय विशेष बैठक दिनांक 20 अगस्त 2017 रविवार को दोपहर शांति सेवा धाम छटीकरा वृंदावन उत्तर प्रदेश में आयोजित की गई यह बैठक अति महत्वपूर्ण रही इस बैठक में महासभा के माननीय सभापति जी महासभा के सभी सम्मानित पदाधिकारीगण महासभा के कार्य समिति के सदस्य गणों के साथ ही महासभा के कार्यकारी मंडल के सदस्यों की भी बहुत अच्छी संख्या में उपस्थिति रही।
दोपहर 3:00 बजे बैठक प्रारंभ हुई बैठक में विषय सूची अनुसार निम्नानुसार कार्यवाही हुई।

1. **मंच आमंत्रण** ठीक दोपहर 3:00 बजे महासभा के महामंत्री जी द्वारा मंच पर माननीय सभापति जी के साथ ही महासभा के समस्त पदाधिकारी गण एवं सभा में विराजे नगर पूर्व सभापति जी को मंच पर आमंत्रित किया सभी माननीय बंधुओं के मंचासीन होने के साथ ही युवा एवं महिला संगठन के पदाधिकारियों को भी मंच पर आमंत्रित किया गया बैठक के आयोजक संस्था के संबंधित पदाधिकारियों को भी मंच पर आमंत्रित किया गया।

2. **भगवान महेश का पूजन वंदना** पदाधिकारियों के मंचासीन होने के पश्चात सर्वप्रथम सभी लोगों ने सामूहिक रुप से भगवान महेश का पूजन कर सामूहिक महेश वंदना के साथ बैठक का शुभारंभ किया।

3. **विशेष बैठक हेतु सभापति जी द्वारा जानकारी** महासभा के सभापति माननीय श्री श्याम जी सोनी से अनुरोध किया गया कि वह इस विशेष बैठक के संबंध में इस सदन को जानकारी देवें एवं विशेष बैठक की आवश्यकता के बारे में सभी को विस्तार पूर्वक विषय बताएं माननीय सभापति श्री श्यामसुंदर जी सोनी ने सर्वप्रथम सभी बंधुओं का स्वागत किया उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में देश के कोने-कोने से महासभा के कार्यकारी मंडल के सदस्य पधारें हैं मैं उन सब का हृदय की गहराइयों से स्वागत करता हूं उन्होंने कहा कि आज ही महासभा के कार्यकारी मंडल की इस सत्र की प्रथम बैठक संपन्न हुई उस संपन्न बैठक के अतिरिक्त यह विशेष बैठक इसलिए रखनी पड़ी कि सत्र के प्रारंभ में ही हमारी यह कल्पना थी कि महासभा के विधान को लेकर पिछले कुछ समय से जो भ्रम की स्थिति चल रही है उन सभी चीजों को ठीक करना और विधान में अपेक्षित बदलाव करना आवश्यक है क्योंकि महासभा के विधान में अपेक्षित बदलाव करने के लिए महासभा कार्यकारी मंडल की विशेष बैठक के माध्यम से ही उस कार्य को संपन्न किया जा सकता है कल संपन्न हुई महासभा की कार्यसमिति की बैठक में ध्वनिमत से एकमत होकर महासभा के विधान में जो जो परिवर्तन किए। उन सब पर एक राय कर आज आप सबके समक्ष उन विषयों को रखा जाना है जिन पर हम चर्चा करेंगे और सामूहिक चर्चा के बाद हम उसे पारित करेंगे जैसे ही सभापति जी ने विधान संबंधित बात रखी। इसी बीच सदन में श्री अरुण जी लोहिया एवं श्री राधेश्याम जी परवाल ने खड़े होकर इस बात की आपत्ति की की विधान संबंधित

विषय के लिए निर्धारित समय सीमा में सूचना नहीं दी गई है सभापति जी ने उन दोनों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए यह कहा यह ठीक है की निर्धारित समय सीमा में सूचना नहीं दी जा सकी लेकिन संचार के विभिन्न माध्यम यथा WhatsApp ईमेल आदि के माध्यम से सूचना पूर्व में भिजवाई जा चुकी है एवं कई बंधुओं को सूचना मिली भी है कई स्थानों पर सूचना नहीं मिली है फिर भी यदि सदन की सर्वानुमति से सूचना संबंधित सारी जानकारी के बारे में सदन जो राय और निर्णय करेगा उसे हम मान्य करेंगे हम सारे निर्णय को एकमत होकर करना चाहते हैं किसी प्रकार के निर्णय में मत भिन्नता कर उस काम को नहीं करना इस सत्र में हमने तय किया है। मतभिन्नता के किसी भी काम को हम आगे नहीं बढ़ाएंगे सभापति जी के इतने कहते सदन ने एकमत होकर कहा कि आज ही इस विधान संबंधित विषय पर चर्चा होनी चाहिए एवं भविष्य में इस विधान में इस बात को समायोजित किया जाना चाहिए कि संचार के विभिन्न माध्यमों को भी हम भविष्य में मानेंगे। तालियों की गड़गड़ाहट के साथ भगवान महेश की जय घोष के साथ सभी लोगों ने आपत्ति को नहीं मानते हुए विधानसंबंधित विशेष सभा को जारी रखने का अनुरोध किया सभापति जी ने कहा कि इस विधान मैं हम किसी प्रकार का परिवर्तन नहीं करने जा रहे हैं इस विधान में हमारी जो भावना रही है आज जो विधान आप सबके समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा कल कार्यसमिति में हमारे विद्वान सदस्यों ने बहुत गंभीरता के साथ इसके एक-एक शब्दों पर चिंतन किया है मनन किया है और मैं अनुरोध करूंगा कि जिन बंधुओं ने कल एकमत होकर इस विधान को पारित किया है आज उन बंधुओं के अतिरिक्त सदन के वह बंधु इस सब विषय में सुझाव दें जो कार्यकारी मंडल की इस विशेष बैठक में केवल विधान के संबंध में अपनी बात रखने के लिए यहां देशभर से पधारें उन्होंने कहा की विधान के संशोधन में हमारा प्रयास है कि जहां-जहां शब्दों की अस्पष्टता है या अनभिज्ञता है उसे स्पष्ट रूप से परिभाषित करना स्पष्ट रूप से उल्लेखित करना जहां राज्य एवं जिला के विधान हैं उन सारे विधानों को महासभा के विधान के अनुरूप एकरूपता करना और इस निमित्त हमारे महासभा के विधान में जो आवश्यक संशोधन हैं उन पर काम करना यह संशोधन में प्रयास किया गया है। साथ ही साथ महासभा के कार्यकारी मंडल कार्यसमिति एवं महासभा के पदाधिकारियों की भी न्यूनतम कार्य की जवाबदेही तय करना यह संविधान संशोधन के प्रमुख उद्देश्यों में से एक है क्योंकि पिछले लंबे समय से यह देखने में आया है कि महासभा के कार्यकारी मंडल कार्यसमिति के सदस्य या मैं कहूं कि महासभा के पदाधिकारी तक केवल पद पर आने तक ही सीमित नहीं रहे पद पर आने के साथ ही उनकी न्यूनतम जवाब देही हो वह समाज के पदों पर आने के लिए नहीं समाज में कुछ काम करने के लिए आगे आएं यह विषय उनके जहन में रहना चाहिए इस हेतु हमने इस विधान संशोधन में चाहे कार्यकारी मंडल के सदस्यों चाहे कार्यसमिति के सदस्यों चाहे महासभा के पदाधिकारी हो सभी की न्यूनतम जवाबदेही तय करना यही सविधान संशोधन का मुख्य उद्देश्य रहा है और मैं उम्मीद करता हूं कि सदन के सारे सम्मानित साथी जो कुछ करने के लिए समाज में आए हैं वह इन सारे विषयों पर अपनी राय व्यक्त करते हुए एकमत होकर इन सारे विषयों पर चर्चा के साथ इन संशोधनों को स्वीकार करेंगे उन्होंने कहा कि महासभा के विभिन्न न्यास पिछले लंबे समय से समाजोत्थान के काम कर रहे हैं लेकिन यह देखने में आया है कि उन सारे न्यास के कामों में भी कहीं न कहीं किसी प्रकार की शिथिलता जैसी स्थिति दिखाई पड़ रही है और क्योंकि महासभा के सभी सदस्यों की लंबे समय से मांग रही है कि कार्यों के आधार पर न्यासों की जवाबदेही तय की जाए और क्योंकि सभी न्यास महासभा की कार्यसमिति और कार्यकारी मंडल के प्रति जवाबदेह इसलिए इस विधान संसोधन में हमने प्रत्येक न्यास को एक न्यूनतम जवाबदेही तय की है कि वह एक निर्धारित सीमा तक समाज उत्थान के कार्य करेंगे तो उन्हें उसी आनुपातिक आधार पर महासभा के कार्यकारी मंडल कार्यसमिति में प्रतिनिधित्व मिलेगा इन सारे विषयों पर कल कार्यसमिति में बहुत गंभीरता से चर्चा हुई है, और विस्तृत विषय अभी शीघ्र ही आपके समक्ष आने वाला है उन्होंने कहा की युवा एवं महिला संगठन हमारी दो प्रमुख भुजाएं हैं और देशभर में युवा महिला संगठन बहुत ताकत के साथ अपने विभिन्न आयामों के माध्यम से अपना कार्य विस्तार कर रहे हैं लेकिन ऐसा देखने में आया है कि महिला एवं युवा संगठन दो मजबूत भुजाओं के रूप में काम करने के साथ-साथ कहीं ना कहीं जाने-अनजाने में समानांतर संगठन के रूप में कार्य करने का काम भी हो रहा है ऐसा इसलिए है कि हमारे विधान में कुछ चीजें स्पष्ट नहीं है इसलिए इस बार यह तय किया गया कि महासभा के विधान में परिवर्तन के साथ ही महासभा

के विधान में संशोधन के साथ ही हम शीघ्र ही महिला एवं युवा संगठन के विधान को भी महासभा के विधान के अनुरूप संशोधित करने के लिए उन से चर्चा कर इस विषय पर भी बात करेंगे ताकि न्यूनतम जवाबदेही के साथ समाजोत्थान के विभिन्न कार्यों में हमारी दो भुजाएं हमारे साथ मिलकर कंधे से कंधा मिलाकर काम कर सके आगे बढ़ सके। क्योंकि समाज का विकास जब तक युवाओं का साथ नहीं होगा, सामाजिक परिवर्तन में जब तक महिलाओं का साथ नहीं होगा तब तक संभव नहीं है इसलिए हमारी भावना है कि विधान के संशोधन में उन सारी चीजों को समायोजित किया जाए जो आपसी समन्वय में बाधक नहीं हो। सभापति जी ने कहा कि विधान में उन सारी चीजों को भी समायोजित किया जाना आवश्यक है जो नए कानूनों के तहत अत्यंत आवश्यक है उन्होंने कहा कि इस विषय पर हमारे अर्थमंत्री श्री आर एल काबरा जी एवं अन्य सभी प्रमुख लोगों ने सारी बातचीत कर यह माना है कि वर्तमान में एक कर प्रणाली के कारण महासभा के विभिन्न प्रकल्पों को ऐसा माना जाता है कि यह सारे महासभा से संबंधित कार्य है और उस पर विभिन्न प्रकार के करारोपण किए जाने प्रस्तावित सरकार की ओर से है उन सारे विषयों को देखते हुए विधान में कानून सम्मत कुछ शाब्दिक परिवर्तन आवश्यक है वह भी इस विषय पर जब चर्चा होगी तो आपके समक्ष रखे जाएंगे सभापति जी ने कहा कि विधान के संशोधन के विषय को मैंने बहुत स्पष्टता के साथ आपके समक्ष रखा है लंबे समय से सामाजिक क्षेत्र में काम करते हुए मुझे यह अनुभव आया है कि विधान समाज की एक मार्गदर्शक गीता के रूप में कार्य करें विधान समाज की समाज के संगठन की विभिन्न समस्याओं के लिए एक कुंजी के रूप में काम करें इसलिए विधान इस प्रकार का बने कि जिसमें समाज का हित हो समाज के संगठन के दूरगामी हितों की रक्षा हो और समाज के प्रत्येक व्यक्ति का समाज के प्रति जुड़ाव हो इस दृष्टिकोण से इस विशेष साधारण सभा में विधान संसोधन प्रस्तावित है सभापति जी ने कहा कि 26वें सत्र में भी विधान पर बहुत महत्वपूर्ण कार्य हुआ है जिस पर देश भर के लोगों से रायशुमारी कर सभी लोगों के सुझावों को समायोजित कर तत्कालीन विधान संशोधन समिति के संयोजक श्री रमेश जी मरदा ने इस पूरे विषय पर बहुत कार्य किया है इस बार तो उस विधान में केवल संशोधन मात्र है क्योंकि पहले उस सत्र में मैं ही महासभा के महामंत्री के दायित्व पर था उस सत्र में विधान के संबंधित पूरे कार्य को बहुत गंभीरता के साथ पूरे देश भर के लोगों के सकारात्मक सुझावों के साथ समाज के तज्ञ व्यक्तियों द्वारा पूरा किया गया है।

सभापति जी के संबोधन के पश्चात महासभा के महामंत्री जी ने सदन में उपस्थित विधान संशोधन समिति के संयोजक श्री अशोक की इनानी जी एवं विधान परामर्श समिति के संयोजक श्री प्रकाश जी बाहेती को अनुरोध किया कि विधान से संबंधित एक एक बिंदु पर सदन के समक्ष प्रस्तावित कार्य समिति द्वारा जो संशोधन रखे गए हैं उन्हें कार्यकारी मंडल के समक्ष रखें । कार्यकारी मंडल के सदस्यों की उसके बारे में राय एवं जानकारी लें एवं उनकी राय में जानकारी के आधार पर ही संशोधन के अगले बिंदु पर आगे बढ़े। इसके साथ ही मंच पर श्री अशोक इनानी जी एवं श्री प्रकाश बाहेती जी ने सदन के समक्ष अपनी बात रखनी प्रारंभ की सदन में विधान संसोधन के विभिन्न विषयों पर माननीय सदस्यों द्वारा अपनी राय बड़े स्पष्ट रूप में रखी गई एक एक विषय पर एक एक बिंदु पर बहुत गंभीरता के साथ चर्चा एवं चिंतन हुए और लगभग जब तक पिछले बिंदु पर सर्वानुमति होकर वह बिंदु पूर्ण नहीं हो जाए तब तक अगले बिंदु पर नहीं बढ़ना ऐसा विधान संशोधन समिति एवं परामर्श समिति के पदाधिकारियों द्वारा कार्य किया।

महासभा में विधान जैसा जटिल विषय सदन में व्यापक चर्चा के पश्चात एकमत होकर पारित हो जाए ऐसा महासभा के इतिहास में लंबे समय तक कहीं ध्यान में नहीं आता लेकिन सभी सदस्यों ने विधान संशोधन के विभिन्न विषयों पर गंभीरता पूर्वक चर्चा करते हुए अपनी शंकाओं का समाधान करते हुए अपने सुझावों को समायोजित करते हुए महासभा की कार्य समिति द्वारा पारित उस विधान को कुछ आंशिक संशोधनों के साथ ध्वनिमत से एकमत होकर पारित किया जो एक ऐतिहासिक कार्य था एवं लगभग 4 घंटे से अधिक के चर्चा एवं चिंतन के पश्चात महासभा का यह विधान संशोधन पारित हुआ इस चर्चा में महासभा के सभी वरिष्ठ सदस्यों ने महासभा के पदाधिकारियों ने महासभा कार्यकारी मंडल के सभी अंचलों के माननीय सदस्यों ने खुलकर अपनी बात को रखा किसी सदस्य विशेष का नाम इसलिए नहीं लिखा जा रहा है कि इस चर्चा में लगभग पूरे सदन ने भाग लिया पूरे

सदन ने अपने विचारों को व्यक्त किया और अंत में सभी सदस्य ने, पूरे सदन ने एकमत होकर अपनी बात को पारित किया है महासभा के इस विशेष अधिवेशन में पारित इस विधान की प्रति आप सबको अगामी बैठक में उपलब्ध करा दी जाएगी। उपरोक्त संशोधित विधान अब से महासभा के विभिन्न कार्यों के लिए अधिकृत विधान माना जाएगा

4. आभार प्रदर्शन विधान संशोधन हेतु विशेष बैठक का समापन माननीय सभापति जी की आज्ञा से करने के पूर्व सभापति जी के निर्देशानुसार महामंत्री संदीप काबरा द्वारा आयोजित संस्था उत्तरांचल की पांचों प्रदेश सभाओं को आभार व्यक्त करने के लिए कहा गया महामंत्री संदीप काबरा ने मंच पर उपस्थित माननीय सभापति जी का आभार व्यक्त करते हुए यह कहा कि महासभा के इतिहास में पिछले लंबे समय से विधान को बहुत जटिल विषय माना जाता रहा है सदैव ऐसा माना जाता है कि विधान का विषय सर्वानुमति से एकमत होकर पारित होना लगभग असंभव जैसा कार्य होता है लेकिन आज भगवान कृष्ण की लीला नगरी में हम सब लोगों ने समाज उत्थान के लिए एकमत होकर एकरूप होकर जिस लोकतांत्रिक तरीके से अपने विचारों को अपने सुझावों को रखा है और विधान संशोधन समिति एवं विधान परामर्श समिति ने जिस प्रकार से उन सारे विषयों को समायोजित किया है यह देखते ही बनता है महामंत्री जी ने कहा कि आज की इस बैठक के साथ ही कल आयोजित हुई महासभा की कार्यसमिति की बैठक कल शाम के कार्यक्रम आज दिन भर के कार्यक्रम प्रातः कालीन महासभा की कार्यकारी मंडल का पहला साधारण अधिवेशन बाद में महासभा की कार्यकारी मंडल का यह विशेष सत्र इसकी व्यवस्था है और इस व्यवस्था में लगे सारे कार्यकर्ताओं का महासभा की संपूर्ण टीम के साथ ही इस बैठक में पधारे सभी बंधुओं की ओर से हृदय तल की गहराइयों से हार्दिक आभार वंदन और अभिनंदन व्यक्त करते हैं! उन्होंने कहा कि उत्तरांचल की इस धरती पर पिछली बार भी महासभा के साधारण अधिवेशन का आयोजन किया गया यहां के कार्यकर्ताओं द्वारा किस मनोयोग से इन सारे कार्यों को अंजाम दिया जाता है जो आतिथ्य भाव से सभी कार्यकर्ताओं का व्यवहार है वह निश्चित रूप से अनुकरणीय है प्रेरणादायक है उन्होंने कहा कि उत्तरांचल की पांचों प्रदेश सभाओं के अध्यक्ष श्री विनोद महेश्वरी , श्री गोपाल लोहिया , श्री कमलेंद्र महेश्वरी, श्री ओमप्रकाश पसारी, श्री डॉ. एस. एन. चांडक पांचो प्रदेश सभाओं के मंत्री श्री नंदकिशोर झंवर, श्री चंद्रप्रकाश सोमानी, श्रीकांत राठी , श्री महेश राठी, श्री अनूप महेश्वरी, और हमारे दिल्ली प्रदेश के नवनिर्वाचित अध्यक्ष और महासभा की साधारण अधिवेशन के स्वागत अध्यक्ष डॉ एस एन चांडक जी उत्तरांचल के सभी कार्यकर्ता एवं महासभा के संगठन मंत्री भाई अजय काबरा जी उत्तरांचल के उपसभापति भाई श्री अशोक सोमानी जी उत्तरांचल के पूर्व उपसभापति श्री विनोद महेश्वरी जी श्री राधा कृष्ण सोमानी जी हम सब के लिए एक आदर्श कार्यकर्ता के रूप में सदैव उपलब्ध रहने वाले श्री वीरेंद्र भैया भुराड़िया, श्री विनीत कैला, श्री चंद्रप्रकाश सोमानी, श्री लोकेंद्र करवा, श्री केदार चांडक, श्री प्रदीप पेड़िवाल, श्री ओम प्रकाश तापड़िया दिल्ली के साथ साथ उन सारे कार्यकर्ताओं का मैं सदन की ओर से महासभा की ओर से आभार और अभिनंदन व्यक्त करना चाहता हूं जिन्होंने इस पूरे कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मन वचन कर्म से सहयोग किया समर्पण किया एवं इस कार्य की सफलता के लिए दिन रात मेहनत की। मैं उन सभी कार्यकर्ताओं को मंच पर बुलाकर सदन से आग्रह करता हूं कि करतल ध्वनि के माध्यम से इन कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया जाए। उनके सम्मान में ताली बजाई जाए साथ ही उन सभी कार्यकर्ताओं को भी मंच पर आमंत्रित किया गया जो युवा कार्यकर्ता पांचों प्रदेश सभाओं से सामूहिक रुप से चाहे फिल्ड का काम हो, आवास व्यवस्था काम हो, भोजन व्यवस्था का काम हो, रजिस्ट्रेशन का काम हो उन सारे कार्यकर्ताओं ने रात और दिन मेहनत कर किस प्रकार से काम किया है हरियाणा पंजाब के श्री महेश राठी जी जिन्होंने संपूर्ण पंजीयन व्यवस्था को अपने हाथ में लेकर कार्य को अंजाम दिया साथ ही साथ पूर्वी उत्तर प्रदेश के सभी कार्यकर्ता जिन्होंने आवास एवं भोजन की व्यवस्था में विशेष योगदान किया दिल्ली के भाई ओमप्रकाश तापड़िया जी जिन्होंने इस पूरे आयोजन के कोष प्रमुख के रूप में योगदान किया इस आयोजन में हम लोगों के सहयोग के रूप में आगरा के श्री संजीव माहेश्वरी जी एवं अन्य सभी कार्यकर्ता जिनका मैं नाम नहीं ले पा रहा हूं मैं उन सब के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूं उन सब के प्रति सम्मान व्यक्त करता हूं साथ ही साथ महासभा के आप सभी पधारे हुए पदाधिकारियों का महासभा की कार्यसमिति के सदस्यों का महासभा के विभिन्न न्यासों के पदाधिकारियों का एवं महासभा के

कार्यकारी मंडल के सदस्यों का युवा एवं महिला संगठन के वर्तमान एवं पूर्व के सभी पदाधिकारियों का बहुत-बहुत आभार और साधुवाद व्यक्त करना चाहता हूं कि आप सब लोगों ने हमारा मार्गदर्शन किया महासभा के इस अति जटिल विषय पर बहुत गंभीरता के साथ काम किया पिछले 2 दिनों से विभिन्न प्रकार की बैठकों के माध्यम से समाज के संगठन को सुचारु और सुदृढ़ करने की दृष्टि से कार्य हुआ है सभी लोगों ने विभिन्न विभिन्न प्रकार के कार्यों को निकट भविष्य में करने के संकल्प को भी हाथ में लिया है, वह लक्ष्य शीघ्र ही हम पूरा करेंगे, और मुझे प्रसन्नता है कि आगामी वर्ष 2019 के प्रारंभ में सूर्य नगरी जोधपुर में अंतर्राष्ट्रीय महेश्वरी महाधिवेशन के माध्यम से भी हम सब लोग एकत्रित होंगे और समाज उत्थान के हमारे संकल्प के प्रति पुन: हम सब लोग मिलकर चिंतन मंथन करेंगे और समाज के विकास के आयाम को नई गति प्रदान करेंगे जालना से महेश गर्जना के लिए हमारे बीच में पधारे हमारे सभी युवा साथी एवं विशेष रूप से पिछले 3 दिन से हम सब लोगों को लजीज व्यंजन बनाकर भोजन व्यवस्था करने वाले ब्यावर से आए भाई मुन्ना लाल जी प्रजापत मुन्ना हलवाई जी का भी मैं आभार व्यक्त करना चाहता हूं जिन्होंने हम सब लोगों का विशेष ख्याल रखा उत्तरांचल के उपसभापति श्री अशोक सोमानी जी महासभा के संगठन मंत्री श्री अजय काबरा जी ने भी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया और किसी प्रकार की त्रुटि इत्यादि यदि रही है तो उसके लिए व्यक्तिगत जिम्मेदारी लेते हुए सभी से क्षमा याचना भी व्यक्ति की यह उनका बड़प्पन है कि इतनी सुंदर और अभूतपूर्व व्यवस्थाओं के बावजूद भी उनके मन में यह भाव रहा कि किसी प्रकार की त्रुटि है तो वह उनकी व्यक्तिगत छुट्टी है पूरे सदन ने उत्तरांचल की पांचों प्रदेश सभाओं के सभी दायित्व वान कार्यकर्ताओं का साधारण कार्यकर्ताओं का खड़े होकर करतल ध्वनि के माध्यम से सम्मान व्यक्त, आभार व्यक्त किया व्यवस्था में सहयोग करने वाले जिला प्रशासन शांति सेवा धाम के आदरणीय महाराज देवकीनंदन ठाकुर जी एवं अन्य सभी प्रकार की व्यवस्थाओं में सहयोग करने वाले सभी बंधुओं के प्रति आभार प्रदर्शित किया गया अंत में सामूहिक राष्ट्रगान के साथ महासभा के 28वें सत्र की द्वितीय कार्यकारी मंडल की विशेष बैठक का समापन हुआ।

॥जय जय महेश॥

॥जय भारत देश॥

सादर

आपका ही

संदीप काबरा

महामंत्री कार्यालय : -

जेठी निवास, गोल बिल्डिंग के पास, प्रथम सी रोड़, सरदारपुरा, जोधपुर – 342003 राजस्थान

Email: - kabrajodhpur@gmail.com Mobile No. : - +91-9828108017

Facebook: facebook.com/Sandeep.kabra Twitter: - Twitter.com/Sandeepkabra75